बकरी पालन से सुधर सकती है आर्थिकी :चौहान

सेलाकुई | हमारे संवाददाता

केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम फरह मथुरा यूपी के निदेशक एमएस चौहान ने कहा कि किसान देश की आर्थिक रीढ़ है। किसान की आर्थिकी बढ़ेगी तो देश भी आर्थिक तरक्की की ओर बढ़ेगा। कहा कि भारत सरकार चाहती है कि किसान खेती के साथ-साथ अन्य व्यवसाय अपना कर अपनी आर्थिकी बढ़ाये।

कहा कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना बढ़ाने के लिए किसान यदि बकरी पालन का व्यवसाय शुरु कर अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

सेलाकुई क्षेत्र के राजावाला गांव में जलवायु परिवर्तन व पशु धन कृषक जागरुकता गोष्ठी का विधायक सहसपुर सहदेव सिंह पुंडीर व निदेश डॉक्टर एमएस चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर बोलते हुए डॉ. चौहान ने कहा कि मथुरा का संस्थान एशिया में सबसे बड़ा अनुसंधान केंद्र है जहां भेड़, बकरी, खरगोश पालन पर कई तरह के शोध चल रहे हैं। डॉ. चौहान ने कहा कि देशभर में 20 हजार करोड़ भेड़ बकरी पालन हो रहा है। जिसमें सरकार को 22 हजार करोड़ की आमदनी हुई है। कहा कि उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भेड़ व बकरी पालन की अपार संभावनायें हैं। कहा कि उत्तराखंड के लोगों का यह पारंपरिक व्यवसाय भी रहा है। लेकिन धीरे धीरे लोग इस व्यवसाय से किनार करते रहे। इसके बावूजद दो लाख परिवार अब भी बकरी पालन करते हैं। कहा कि इस व्यवसाय को लोग फिर से बढ़ायें तो यहां के किसान पूरी तरह से आत्मनिर्भर ही नहीं होंगे बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकेंगे। कहा कि भारतीय अनुसंधान परिषद की वित्तपोषित परियोजना के तहत पशुओं के रखरखाव व उनके संतुलित आहार का ध्यान रखा जाता है। जिसकी पूरी जानकारी किसानों को दी जाती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि बकरी पालन वैज्ञानिक विधि से करें तो इससे किसानों को और अधिक लाभ मिल सकेगा।

अमर उजाला
देहरादून
शनिवार, 24 फरवरी 2018

पशुओं की बीमारी और टीकाकरण की दी जानकारी

सेलाकुई। राजावाला स्थित मिलन केंद्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से पशुपालकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक सहदेव पुंडीर और उत्तराखंड भेड़ बकरी व अनुपालन बोर्ड के सीईओ डॉ. अविनाश आनंद ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र मथुरा के निदेशक डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने पशुओं की बीमारियों और उनके टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में 117 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से चयनित पशुपालकों को दवाई किट वितरित की गई।

संचालन जिला नियोजन समिति के सदस्य और क्षेत्र पंचायत सदस्य यशपाल सिंह नेगी ने किया। डॉ. यूबी चौधरी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. एमके सिंह, डॉ. हरेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक बिष्ट, ग्राम प्रधान देवकी बिष्ट, हरीश चौहान, विनोद चौहान, भगत सिंह चौहान, पूरन सिंह नेगी, सुरेंद्र सिंह नेगी, बलवीर सिंह पाल, सूरत सिंह पाल, पूर्व ग्राम प्रधान विजय अग्रवाल, रोमी राम जायसवाल, रविंद्र रमोला, दीपक कैंतूरा, जसपाल नेगी, गुलाब सिंह नेगी, परमाल सिंह चौधरी, जयपाल सिंह, सुशीला पाल मौजूद रहे। ब्यूरो

दैनिक जागरण देहरादून, 24 फरवरी 2018

विकासनगर जागरण

पशुपालन को बनाएं रोजगार का साधन

राजावाला के मिलन केंद्र में पशुपालकों के कार्यक्रम में मथुरा बकरी अनुसंधान केंद्र से पहुंचे वैज्ञानिक

जागरण संवाददाता, विकासनगर: शुक्रवार को ग्राम राजावाला के मिलन केंद्र में आयोजित जलवायु परिवर्तन व पशुधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र मथुरा निदेशक डॉक्टर मनमोहन सिंह चौहान के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने पशुपालकों को पशुओं में होने वाली बीमारियां और उनके निदान के बारे में बताया।

कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र से 117 पशुपालकों ने भाग लिया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने पशुपालकों से कहा कि हम ऐसे कार्य करें कि स्वयं अपने ऊपर निर्भर होकर अन्य को भी रोजगार के अवसर सुनिश्चित कर सकें, क्योंकि यह आने वाले समय में बहुत बड़ा व्यवसाय बनने जा रहा है। डेंगू बुखार के समय भी बकरी के दूध का इस्तेमाल किया जाता है और जो बकरी के दूध का घी बनता है, वह 15 सौ रुपये प्रति किलो तक बिकता है। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड भेड़ बकरी व अनुपालन बोर्ड के सीईओ डॉ. अविनाश आनंद, डॉ. यूबी चौधरी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. एमके सिंह, डॉ. हरेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक बिष्ट ने पशुओं में होने वाली बीमारियों के निदान के बारे में बताया। केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. चौहान ने पशुपालकों को कृषि आय बढ़ाने के लिए पशुपालन को रोजगार के रूप में अपनाने के लिए कहा। कहा कि इस समय बकरी पालन का व्यवसाय पूरे देश में लगभग 22 हजार करोड़ रुपये की आय कर रहा है। उत्तराखंड में भी लगभग दो लाख पशुपालक हैं, जो बकरी और गाय भैंस आदि पालते हैं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान देवकी बिष्ट, परमाल सिंह चौधरी, जयपाल सिंह चौधरी, पशुपालक हरीश चौहान, विनोद चौहान, भगत सिंह चौहान, पूरन सिंह नेगी, सुरेंद्र सिंह नेगी, बलवीर सिंह पाल, सूरत सिंह पाल, विजय अग्रवाल, पूर्व प्रधान रोमी राम, मंडल अध्यक्ष भाजपा रविंद्र रमोला, दीपक कैंतुरा, जसपाल सिंह नेगी, गुलाब सिंह नेगी, राजपाल सिंह चौधरी, प्रकाश चौधरी, कमला बिष्ट, सुशीला पाल, उषा पाल, गीता पाल, सुनीता नेगी, शारदा बिष्ट, जयंती सती, चतर सिंह बिष्ट, विनीत नेगी, रकम सिंह चौधरी, माया पंत, राम सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों को निशुल्क दवाइयों की किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला नियोजन समिति सदस्य और क्षेत्र पंचायत सदस्य यशपाल सिंह नेगी ने किया।

राजावाला में जलवायु परिवर्तन व पशुधन पर जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक सहदेव पुंडीर और कार्यक्रम में मौजूद पशुपालक ● जागरण